DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

17 April, 2024

इन विट्रो निषेचन

संदर्भ: *स्तंभित/अवरुद्ध भ्रूणों को बच्चों के समान बताने के अलबामा सुप्रीम कोर्ट (अमेरिका) के विगत 16 फरवरी के फैसले ने अमेरिका में प्रजनन अधिकारों, विशेषकर आईवीएफ के संबंध में चल रही राजनीतिक बहस को विवादास्पद बना दिया है।*
वर्ष 1899 में सौर भौतिकी वेधशाला के रूप में स्थापित यह वेधशाला अपने प्रारंभिक चरण में मद्रास वेधशाला से अपनी गतिविधियों का संचालन किया करता था।

आईवीएफ (IVF) क्या है ?:

- इन विट्रो फर्टिलाइजेशन या आईवीएफ, प्राकृतिक रूप से गर्भधारण में विफल दम्पतियों के लिए गर्भावस्था प्राप्त करने के उद्देश्य से की जाने वाली प्रजनन उपचार सम्बन्धी प्रक्रियाओं की एक जटिल श्रृंखला है।
- इसका उपयोग मुख्य रूप से बांझपन के इलाज के रूप में किया जाता है, जिसे अधिकांश दम्पति के लिए कम से कम एक वर्ष की कोशिश के बाद गर्भधारण करने में असमर्थता के रूप में परिभाषित किया गया है।
- इसके अतिरिक्त, संतानों में आनुवंशिक विकारों के संचरण को रोकने के लिए आईवीएफ का प्रयोग किया जा सकता है।

आईवीएफ प्रक्रिया:

- आईवीएफ के दौरान, अंडाशय से परिपक्व अंडे निकाल लिए जाते हैं और प्रयोगशाला में टेस्ट ट्यूब की सहायता से इसे शुक्राणु के साथ निषेचित किया जाता है।
- निषेचित अंडे, जिन्हें भ्रूण के रूप में जाना जाता है, को पुनः आरोपण के लिए गर्भाशय में स्थानांतरित किया जाता है।
- आईवीएफ का एक पूरा चक्र आम तौर पर 2 से 3 सप्ताह तक चलता है, हालांकि विशिष्ट परिस्थितियों के आधार पर इसमें अधिक समय भी लग सकता है।

सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी:

- आईवीएफ सहायक प्रजनन तकनीक का सबसे प्रभावी रूप है, जिसमें अंडे, भ्रूण और शुक्राणु को बदलने की प्रक्रिया (हेरफेर) शामिल है।

आईवीएफ विकल्प:

- आईवीएफ में दंपत्ति के स्वयं के अंडे और शुक्राणु का उपयोग किया जा सकता है या अन्य दाताओं से प्राप्त प्रजनन सामग्री शामिल की जा सकती है।
- कुछ मामलों में, एक गर्भकालीन प्रजनन वाहक भ्रूण को अंतिम समय तक ले जा सकता है।

आईवीएफ की सफलता को प्रभावित करने वाले कारक:

- आईवीएफ की सफलता दर उम्र और अंतर्निहित बांझपन के कारणों जैसे कारकों के आधार पर भिन्न-भिन्न होती है।
- आईवीएफ प्रक्रियाएं समय लेने वाली, महंगी और प्रतिक्रियाशील हो सकती हैं।
- यदि एक से अधिक भ्रूण प्रत्यारोपित किया जाता है तो एकाधिक गर्भधारण की सम्भावना हो सकती है।

आईवीएफ के संकेत:

- आईवीएफ को विभिन्न स्थितियों के लिए संकेत दिया जाता है, जिसमें फैलोपियन ट्यूब क्षति, ओव्यूलेशन विकार, एंडोमेट्रियोसिस, गर्भाशय फाइब्रॉएड और गर्भावस्था को रोकने वाली सर्जरी भी शामिल हैं।
- इसका उपयोग अस्पष्टीकृत बांझपन या आनुवंशिक विकारों के मामलों में भी किया जाता है।

प्रजनन क्षमता का संरक्षण:

- आईवीएफ कैंसर के इलाज या अन्य स्वास्थ्य स्थितियों का सामना कर रहे व्यक्तियों में प्रजनन क्षमता को संरक्षित करने के विकल्प प्रदान करता है।
- आईवीएफ हेतु अंडाणु या भ्रूण को भविष्य में उपयोग के लिए संरक्षित किया जा सकता है।

आईवीएफ से जुड़े जोखिम:

- आईवीएफ से जुड़े जोखिमों में तनाव, अंडाणु पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया सम्बन्धी जटिलताएं, डिम्बग्रंथि उच्च-उत्तेजना सिंड्रोम, गर्भपात, अस्थानिक गर्भावस्था, एकाधिक गर्भधारण, जन्म दोष, समय से पहले प्रसव, जन्म के समय कम वजन और कुछ कैंसर जैसे संभावित जोखिम भी शामिल हैं।

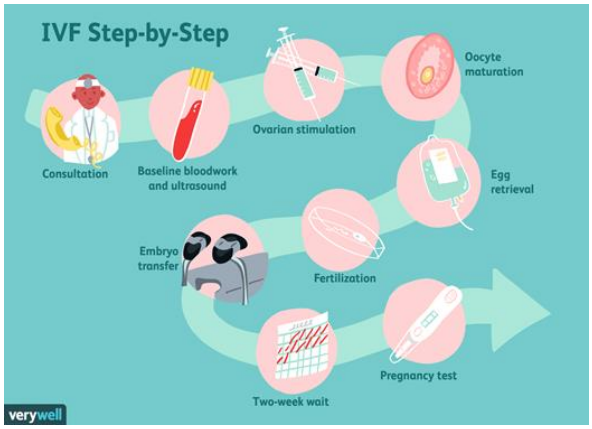

अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौता (APA)

संदर्भ: *वित्त वर्ष 2023-24 में, सीबीडीटी ने भारतीय करदाताओं के साथ 125 अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौते किये हैं, जो कर समझौतों के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।*

- वित्त वर्ष 2023-24 में, 86 एकपक्षीय एपीए (UAPA) और 39 द्विपक्षीय एपीए (BAPA) थे, जो कर सम्बन्धी अब तक का सबसे अधिक समझौता रिकॉर्ड है।
- पिछले वर्ष के 95 एपीए की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में एपीए समझौतों में 31% की वृद्धि देखी गई।
- अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौता कार्यक्रम के शुरुआत के बाद से लेकर इसकी कुल संख्या इस समय 641 है, जिसमें 506 यूएपीए और 135 बीएपीए हैं।
- वित्त वर्ष 2023-24 में अब तक सबसे अधिक संख्या में BAPA पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- BAPAs की स्थापना भारत और उसके अन्य संधि भागीदारों ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, डेनमार्क, जापान, सिंगापुर, यूके और अमेरिका के साथ आपसी समझौतों के माध्यम से की गई थी।

एपीए क्या है ?

- **परिभाषा:** एपीए करदाता और कर प्राधिकरण के बीच किया गया एक औपचारिक समझौता है, जो मूल्य निर्धारण संबंधी विवादों को रोकने के उद्देश्य से संबंधित कंपनियों के बीच अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए मूल्य निर्धारण पद्धति की रूपरेखा तैयार करता है।
- **उदाहरण:** भारत में कंपनी ए अपनी अमेरिकी सहायक कंपनी, बी को बिक्री कर रही है, इन लेनदेन के लिए मूल्य निर्धारण पर सहमत होने के लिए भारतीय और अमेरिकी कर अधिकारियों दोनों के साथ एक एपीए स्थापित कर सकती है।
- **उद्देश्य:** एपीए का उद्देश्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विनियमित करना तथा अंतर-कॉर्पोरेट लेनदेन के सिद्धांत के आधार पर उचित लाभ सुनिश्चित करके कर चोरी को रोकना है।
- **दिशानिर्देश:** एपीए आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों द्वारा शासित होते हैं, विशेष रूप से स्थानांतरण मूल्य निर्धारण के संबंध में संबंधित कंपनियों के बीच प्रदान की जाने वाली वस्तुओं, वित्त या सेवाओं के लिए मूल्य निर्धारण।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **एपीए के प्रकार:**
  - एपीए एकपक्षीय (एक कर प्राधिकरण के साथ) हो सकते हैं।
  - द्विपक्षीय (दो कर प्राधिकरण शामिल) हो सकते हैं, या
  - बहुपक्षीय (कई कर प्राधिकरण शामिल) हो सकते हैं।
- **लाभ:** एपीए कर दायित्व में निश्चितता प्रदान करते हैं, ऑडिट कार्यों को सुव्यवस्थित करते हैं और कर अधिकारियों के लिए प्रशासनिक लागत कम करते हैं।
- **समय सीमा:** एपीए अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए आगामी पांच वर्षों तक के लिए कीमतें निर्धारित करते हैं, जिसमें चार पूर्ववर्ती वर्षों के लिए वापस रोल करने का विकल्प होता है, जो कुल नौ वर्षों की कर निश्चितता प्रदान करता है।
- **आवेदन प्रक्रिया:** करदाता आयकर महानिदेशालय (डीजीआईटी) के साथ एकपक्षीय एपीए के लिए आवेदन कर सकते हैं, जबकि द्विपक्षीय या बहुपक्षीय एपीए में संबंधित कर क्षेत्राधिकार के सक्षम अधिकारियों के बीच ,की जाने वाली बातचीत शामिल होती है।

अंतरिक्ष का कचरा

संदर्भ: *इसरो के वर्तमान अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने हाल ही में वर्ष 2030 तक मलबा मुक्त अंतरिक्ष मिशन सम्बन्धी भारतीय लक्ष्य की घोषणा की है।*

➢ **अंतरिक्ष मलबे की परिभाषा:** यह पृथ्वी की कक्षा में निष्क्रिय मानव निर्मित वस्तुओं को संदर्भित करता है, जिसमें परित्यक्त अंतरिक्ष यान, गैर-परिचालन उपग्रहों, खर्च किए गए ऊपरी चरणों और मिशन से संबंधित वस्तुओं (जैसे लॉन्च एडेप्टर और लेंस कवर), विखंडन की घटनाओं (जैसे उपग्रहों और रॉकेट निकायों के विस्फोट), एंटी-सैटेलाइट परीक्षण और रिएक्टर कोर आदि शामिल हैं।

➢ **मलबे का आकार और संख्या:**

- जनवरी 2019 तक, 1 सेमी से छोटे 128 मिलियन से अधिक मलबे के टुकड़े और 1 से 10 सेमी के बीच लगभग 900,000 टुकड़े होने का अनुमान लगाया गया था।
- बड़े मलबे, जिन्हें 10 सेमी या उससे बड़े के रूप में परिभाषित किया गया है, 2019 में इनकी संख्या 34,000 और जून 2023 तक इनकी संख्या कम से कम 37,000 हो गई।
- वर्ष 2020 में पृथ्वी की कक्षा में 8,000 मीट्रिक टन मलबा था, जिसके और बढ़ने की उम्मीद है।

➢ **निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO):**

- पारंपरिक रूप से LEO की कुछ सार्वभौमिक कक्षाएँ 2,000 किमी की कक्षीय ऊंचाई से नीचे थीं, लेकिन उपग्रह और इंटरनेट तारामंडल की तैनाती के साथ यह वर्तमान समय में बदल रहा है।
- LEO में सूर्य-समकालिक और ध्रुवीय कक्षाओं सहित उपग्रहों की घनी आबादी है, जिसके परिणामस्वरूप वस्तुओं के बीच बार-बार संपर्क होता है।
- गुरुत्वाकर्षण गड़बड़ी और टकराव जोखिम पैदा करते हैं, प्रभाव की गति औसतन 10 किमी/सेकेंड होती है और किसी भी दिशा से टकराव की संभावना होती है।

➢ **केसलर सिंड्रोम और दीर्घकालिक प्रभाव:**

- केसलर सिंड्रोम, टकरावों का एक कैस्केड प्रभाव, मलबे के घनत्व में वृद्धि के कारण पृथ्वी की कुछ निचली कक्षाओं को अनुपयोगी बना सकता है।
- चालक दल के मिशन ज्यादातर 400 किमी की ऊंचाई से नीचे संचालित होते हैं, जहां वायु अवरोध टुकड़ों को साफ करने में मदद करता है, हालांकि ऊपरी वायुमंडल का घनत्व भिन्न होता है।

➢ **अधिक ऊंचाई:**

- उच्च ऊंचाई पर कक्षीय पथ में हवा का खिंचाव कम होता है जिस कारण यह कम ऊंचाई वाले कक्षीय क्षेत्रों में मलबे के प्रवास में योगदान करते हैं।
- भूस्थिर कक्षाएँ (GEO) टकराव की संभावना को बढाती हैं, विशेष रूप से परित्यक्त उपग्रहों के लिए, हालाँकि GEO कक्षाओं में टकराव का मलबा LEO की तुलना में कम जोखिम उत्पन्न करता है।
- अन्य बातों के अलावा अपने जीवनकाल के अंत में उपग्रहों को उनके कक्षीय स्लॉट से बाहर ले जाने के प्रयासों में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

➢ **अंतर-एजेंसी अंतरिक्ष मलबा समन्वय समिति (आईएडीसी):**

- IADC एक अंतरराष्ट्रीय सरकारी मंच है जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष में मानव निर्मित और प्राकृतिक मलबे दोनों से संबंधित गतिविधियों को समन्वित करना है।

➢ **IADC की सदस्य एजेंसियां:**

- ASI (एजेंसिया स्पैज़ियाल इटालियाना)
- CNES (सेंटर नेशनल डी'एट्यूड्स स्पैटियल्स)
- CNSA (चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन)
- CSA (कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी)
- DLR (जर्मन एयरोस्पेस सेंटर)
- ESA (यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी)
- ISRO (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन)
- JAXA (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी)
- KARI (कोरिया एयरोस्पेस रिसर्च इंस्टीट्यूट)
- NASA (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन)
- ROSCOSMOS (राज्य अंतरिक्ष निगम)
- SSAU (यूक्रेन की राज्य अंतरिक्ष एजेंसी)
- UK अंतरिक्ष एजेंसी

➢ **IADC संरचना:** IADC में एक संचालन समूह और चार निर्दिष्ट कार्य समूह शामिल हैं, जो भारित माप (WG1), पर्यावरण और डेटाबेस (WG2), सुरक्षा (WG3), और शमन (WG4) आदि को कवर करते हैं।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

17 April, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

आईएनएस तलवार

भारतीय युद्धपोत आईएनएस तलवार को हिंद महासागर में सुरक्षा अभियान के लिए तैनात किया गया था। यह बहरीन स्थित संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ) के अंतर्गत आता है। इस अभियान के दौरान हाल ही में आईएनएस तलवार ने एक संदिग्ध डोंगी को पकड़ा और उससे 940 किलो ग्राम का मादक पदार्थ जब्त किया।

आईएनएस तलवार के बारे में:

- आईएनएस तलवार एक निर्देशित मिसाइल फ्रिगेट है और भारतीय नौसेना के तलवार श्रेणी का पहला युद्धपोत है।
- इसे 18 जून 2003 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था और यह भारतीय सेना की 16वीं कैवलरी से संबद्ध है।
- तलवार श्रेणी के युद्धपोत भारतीय नौसेना के लिए रूस द्वारा विकसित युद्धपोतों की एक श्रृंखला है।
- यह 124.8 मीटर लंबा है, इसकी गति 56 किलोमीटर प्रति घंटा और रेंज 7,810 किलोमीटर है।
- यह एंटी-एयर ऑपरेशन, एंटी-शिप/लैंड-अटैक मिसाइलों और एंटी-पनडुब्बी सिस्टम से युक्त है।
- इसे हिंद महासागर के आसपास तैनात किया गया है और इसने कई अभ्यासों में भाग लिया है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना के साथ मालाबार 2008 और फ्रांसीसी नौसेना के साथ कटलैस एक्सप्रेस 2021 शामिल हैं।
- भारत अपनी व्यापक समुद्री रणनीति के अनुरूप हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि को मजबूत करने के उद्देश्य से जुलाई 2022 में संयुक्त समुद्री बलों (सीएमएफ) में शामिल हुआ।
- परिचालन तैनाती के अलावा, आईएनएस तलवार द्विपक्षीय अभ्यास और क्षमता-निर्माण कार्यों में संलग्न है, जिसका उदाहरण सेशेल्स में आयोजित ऑपरेशन साउदर्न रेडीनेस में इसकी भागीदारी है।

झेलम नदी

हाल ही में, कश्मीर घाटी में मूसलाधार बारिश के बीच, झेलम नदी में एक नाव पलट गई, जिसके परिणामस्वरूप नाबालिगों सहित छह लोगों की जान चली गई।

झेलम नदी के बारे में:

- झेलम नदी सिंधु नदी की एक सहायक नदी है जो भारत और पाकिस्तान से होकर बहती है।
- यह पंजाब क्षेत्र की पाँच नदियों में से सबसे बड़ी और सबसे पश्चिमी नदी है जो पूर्वी पाकिस्तान में चिनाब नदी में मिलने के पश्चात अंततः सिंधु नदी में मिल जाती है।
- यह अनंतनाग में वेरिनाग में एक गहरे झरने से निकलती है जो भारत प्रशासित कश्मीर क्षेत्र में है।
- यह पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में प्रवेश करने से पहले श्रीनगर और वुलर झील से होकर बहती है।
- यह नदी पाकिस्तान के त्रिम्मू के पास चिनाब नदी में मिलती है।
- झेलम नदी की प्रमुख सहायक नदियों में किशनगंगा (नीलम) नदी, कुन्हार नदी, सैंड्रान नदी, ब्रिंगी नदी और अन्य शामिल हैं, जो इसके प्रवाह और जल विज्ञान प्रणाली में योगदान करती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष) 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बारे में:

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष(IMF) एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में की गई थी।
- वर्तमान में इसमें 190 सदस्य देश शामिल हैं।
- यह भुगतान संतुलन की समस्याओं का सामना कर रहे सदस्य देशों को विशेष रूप से आर्थिक सुधार की शर्तों के साथ वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- इसने 1997 के एशियाई वित्तीय संकट और 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट सहित विभिन्न वैश्विक आर्थिक संकटों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- इसका मुख्यालय वाशिंगटन, डी.सी. में है।
- भारत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का संस्थापक सदस्य है।

नीति आयोग

हाल ही में, नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने अनुमान लगाया कि कृषि और संबद्ध क्षेत्र वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6% से अधिक की वृद्धि की संभावना है।

नीति आयोग के बारे में:

- नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (नीति आयोग) एक नीति थिंक टैंक और सरकारी संगठन है जो भारत सरकार को नीतियों और कार्यक्रमों पर सलाह देता है।
- इसकी स्थापना 2015 में योजना आयोग के स्थान पर की गई थी।
- यह प्रभावी शासन के 7 स्तंभों-जन हितैषी, सक्रियता, भागीदारी, सशक्तीकरण, सभी का समावेश, समानता और पारदर्शिता पर आधारित है।
- नीति आयोग की संरचना में अध्यक्ष के रूप में प्रधान मंत्री, प्रधान मंत्री द्वारा नियुक्त उपाध्यक्ष, एक गवर्निंग काउंसिल जिसमें सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल शामिल हैं।
- इसके अतिरिक्त, इसमें प्रधानमंत्री या उनके नामित व्यक्ति की अध्यक्षता में विशिष्ट क्षेत्रीय मुद्दों को संबोधित करने वाली एक क्षेत्रीय परिषद, प्रमुख अनुसंधान संस्थानों के तदर्थ सदस्य, प्रधान मंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्रिपरिषद से अधिकतम चार पदेन सदस्य शामिल है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

	▪ प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, और प्रधानमंत्री द्वारा नामित विशेष आमंत्रित सदस्य, जिसमें डोमेन ज्ञान वाले विशेषज्ञ शामिल होते हैं। ▪ नीति आयोग ने विभिन्न पहल और अभियान शुरू किए हैं, जैसे: अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम), स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, ट्रांसफॉर्मिंग अर्बन इंडिया (अमृत, स्मार्ट सिटीज मिशन), सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) स्थानीयकरण, आदि।
सुर्खियों में स्थल **आर्मीनिया**	*हाल ही में, आर्मेनिया ने संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में अजरबैजान पर नागोर्नो-काराबाख में "पूरी तरह से जातीय सफाया" करने का आरोप लगाया, जिसका अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में चल रहे कानूनी टकराव के बीच बाकू ने "चेरी-पिकिंग" के रूप में विरोध किया।* **आर्मेनिया: (राजधानी: येरेवान)** **अवस्थिति :** आर्मेनिया पश्चिम एशिया के अर्मेनियन हाइलैंड्स में स्थित एक भूमि से घिरा देश है। **राजनीतिक सीमाएँ:** आर्मेनिया अपनी सीमाएँ अज़रबैजान (पूर्व), तुर्की (पश्चिम), जॉर्जिया (उत्तर) और ईरान और नखचिवन (दक्षिण) के अज़रबैजानी क्षेत्र के साथ साझा करता है। **भौतिक विशेषताएं:** ▪ आर्मेनिया का सबसे ऊँचा स्थान माउंट अरागाट्स है। ▪ आर्मेनिया की प्रमुख नदियों में अरास, देबेद, हज़्दान और वोरोटन शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक देश के भूगोल और जल संसाधनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ▪ आर्मेनिया में विभिन्न खनिज हैं, जिनमें तांबा, मोलिब्डेनम, सोना आदि शामिल हैं। **सदस्यता:** आर्मेनिया संयुक्त राष्ट्र, स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) और सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ) सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।

POINTS TO PONDER

- मुदुमलाई टाइगर रिजर्व (एमटीआर) में किस वन्यजीव प्रजाति ने हाल ही में गंभीर एक्सफ़ोलीएटिंग मिश्रित त्वचा संक्रमण का सामना किया है? – **भारतीय जंगली कुत्ते (ढोल)**
- हाल ही में स्वदेशी मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र स्थायी मंच का 23वां सत्र कहाँ शुरू हुआ? – **न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका**
- हाल ही में किस राज्य ने सूखा प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से वित्तीय सहायता जारी करने के संबंध में केंद्र के खिलाफ राहत की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील की? – **कर्नाटक**
- हालिया रिपोर्टों के अनुसार, जियाधल नदी का प्रवाह वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के कारण व्यवधान का सामना कर रहा है। जियाधल नदी ब्रह्मपुत्र से कहाँ मिलती है? – **जियाधल नदी असम से होकर बहती है और माजुली द्वीप के पास ब्रह्मपुत्र से मिलती है।**
- हाल ही में, यह देखा गया है कि अल नीनो-प्रेरित सूखे के कारण, करिबा झील में जल स्तर इसकी क्षमता के 13% तक गिर गया है। करिबा झील किन दो देशों के बीच स्थित है? – **करिबा झील जाम्बिया और जिम्बाब्वे के बीच स्थित है।**